राष्ट्रीय कुष्ठ निवारण कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश

11 वीं पंच वर्षीय योजनाकाल में कुष्ठ रोग का निवारण अर्थात 01 रोगी प्रति 10,000 जनसंख्या के स्तर जनपद एवं विकास खण्ड स्तर प्राप्त करने तथा विकलांग रोगियों के यथा संभव चिकित्सकीय पुर्नवास के उद्देश्य से प्रदेश में कार्यक्रम संचालित है।

प्रदेश में कुष्ठ रोग का उपचार वर्ष 1995-96 से मल्टी ड्रग थेरेपी द्वारा किये जाने के फलस्वरूप माह जुलाई, 2008 के अन्त तक प्राप्त परिणाम निम्नवत हैं :–

क्रमांक	विवरण	मार्च, 2006 के अंत में	मार्च, 2007 के अंत में	मार्च, 2008 के अंत में	जुलाई, 2008 के अंत में
1	अभिलेखित कुष्ठ रोगी	21,761	18,104	18,097	19,304
2	कुष्ठ रोग की व्यापकता दर	1.17/10,000	0.95/10,000	0.94/10,000	0.99/10,000
3	नये खोजे रोगियों में विकलांगता दर	1.01 %	1.15 %	1.59%	1.64 %
4-	अव्यस्क रोगी दर	6.12 %	5.80 %	5.67 %	6.43 %

उद्देश्य :– कुष्ठ रोग का निवारण अर्थात व्यापकता दर राज्य स्तर, जनपद स्तर तथा विकास खण्ड पर 01 रोगी प्रति 10,000 जनसंख्या लाना है। वर्ष 2008-09 में माह जुलाई, 2008 के अन्त में उपलब्धि निम्नवत है :–

वर्ष	नये खोज गये रोगी		रोग मुक्त किये गये रोगी	
	संगत माह में	क्रमिक	संगत माह में	संगत माह के अंत में क्रमिक
2005-06	3,685	36,409	4,180	48,103
2006-07	3,563	32,413	3,102	36,070
2007-08	3,266	31,028	2,438	30,357
2008-09	2,672	10,655 *	2,521	9,497 *

*** माह जुलाई, 2008 के अन्त तक**

2- <u>कुष्ठ रोग की व्यापकता दर वार जनपदों का विवरण</u>

व्यापकता दर	अवधि वार जनपदों की संख्या		
	31-3-2007 में	**31-03-2008 में**	**31-07-2008 में**
< 1	36	39	38
> 1 - 2	34	31	33
> 2 – 5	0	0	0
> 5	0	0	0

रणनीति वर्ष 2008-09

1- **कुष्ठ निवारण सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि** हेतु चिकित्सा अधिकारियों, फार्मासिस्टों, स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों, तथा स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं को के बैच में प्रशिक्षित किया जाना। जिससे वे कुष्ठ रोग की जटिलताओं का जॉच एवं उपचार हेतु पूर्णतया सक्षम हों।

2- **कुष्ठ रोगियों की संख्या में कमी लाना** – कुष्ठ रोग के इपीडिमियालोजिकल स्टेट्स का राज्य स्तर पर जनपद स्तर से विकास खण्ड स्तर तक निरन्तर अनुश्रवण एवं मूल्यॉकन किया जायेगा तथा अधिक व्यापकता दर वाले क्षेत्र में कुष्ठ रोग की व्यापकता दर में कमी लाने हेतु विशेष रूप से प्रयास किये जायेंगे।

3- ऐसे विकास खण्ड जिनमें कुष्ठ रोग की व्यापकता दर २ प्रति १०ए००० जनसंख्या से अधिक वहॉ विशेष अभियान चलाकर घर घर सर्वेक्षण एवं परीक्षण द्वारा कुष्ठ रेागी खोजकर नियमित उपचार प्रदान करके व्यापकता दर में कमी लायी जायेगी।

4- **सूचना शिक्षा एवं संचार** – कुष्ठ रोग के बारे में जन जागरूकता लाने हेतु सूचना शिक्षा एवं संचार के अन्तर्गत स्कूल कालेजों में निबंध एवं वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन, जनपद एवं विकास खण्ड स्तर पर रैली का आयोजन, विकास खण्ड स्तर पर गणमान्य नागरिकों की कार्यशाला, गैर सरकारी संस्थाओं के संस्थापकों की कार्यशाला, स्वास्थ्य मेले का आयोजन, कया जायेगा। इसके अतिरिक्त अधिक व्यापकतादर वाले विकास खण्डों में विशेषकर लोक गीत, लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम, कठपुतली प्रदर्शन एवं जादू प्रदर्शन द्वारा कुष्ठ रोग का प्रचार प्रसार किया जायेगा। साथ ही अधिक व्यापकता दर वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विशेष रूप से होर्डिग्स एवं डिसप्ले बोर्ड के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जायेगा। संचार माध्यमों के उपयोग द्वारा कुष्ठ रोग के बारे में प्रचार प्रसार कर जनता को इस स्तर तक जागरूक करना, जिससे कुष्ठ रोग पीड़ित व्यक्ति स्वेच्छा से जॉच एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपस्थित हो।

5- **विकलांगता पर नियंत्रण एवं चिकित्सा पुर्नवास** – कुष्ठ रोग मुक्त विकलांग व्यक्तियों के चिकित्सा पुर्नवास हेतु प्रत्येक वर्ष प्रदेश के समस्त मेडिकल कालेजों में स्थापित चिकित्सा पुर्नवास केन्द्रों एवं गैर सरकारी क्षेत्र के चिकित्सा पुर्नवास केन्द्र लेप्रोसी मिशन हास्पिटल एण्ड होम नैनी, इलाहाबाद तथा मसोधा, फैजाबाद, केन्द्रीय जालमा कुष्ठ रोग संस्थान, ताजगंज, आगरा तथ बी०सी०एम० हास्पिटल, खैराबाद, सीतापुर में भेजकर विकलांग व्यक्तियों का चिकित्सा पुर्नवास कर जीविकोपार्जन हेतु सक्षम बनाया जायेगा।

6- **मूल्यॉकन एवं अनुश्रवण** – कुष्ठ निवारण सेवाओं के प्रभावी मूल्यॉकन, अनुश्रवण एवं मार्ग दर्शन हेतु प्रदेश की जिला कुष्ठ नाभिकों को कम्पयूटर एवं इण्टरनेट की सुविधा प्रदान की जायेगी तथा

प्रत्येक जनपद पर कम से कम दो वाहनों के क्रियाशील रखने हेतु वाहन अनुरक्षण एवं पेट्रोल क्रय मद में सहायता प्रदान की जायेगी।

7- **कुष्ठ निवारण सेवाओं की निरन्तरता** – कुष्ठ निवारण कार्य के प्रभावी संचालन हेतु वर्ष 2007-08 में विद्यमान संविदाधीन सेवाओं को बनाये रखा जायेगा।

8- **गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग** – भारत सरकार के निर्धारित दिशा निर्देश पर कार्यरत गैर सरकारी कुष्ठ संस्थाओं को सहायता प्रदान कर उनका सहयोग प्राप्त करना।